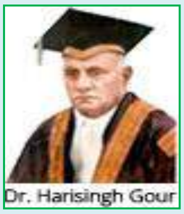

Dr. Harisingh Gour

# प्रतिवेदन

## 38वां मध्यक्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

# गौर गौरव उत्सव

**26-30 नवम्बर 2024**

## 38th Inter-University Central Zone Youth Festival

**GOUR GOURAV UTSAV**

**26th – 30th Nov. 2024**

**Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya Sagar, MP**

**(A Central University)**

(Accredited with Grade A+ by NAAC)

# संदेश

मुझे अत्यंत खुशी है कि डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के सहयोग से 38वां भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव 26 से 30 नवम्बर, 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. विश्वविद्यालय में आयोजित इस युवा महोत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी जो सांस्कृतिक और साहित्यिक आयामों पर केन्द्रित होंगी. युवा महोत्सव आपसी सहयोग, सौहार्द, प्रेम, और संवेदना जैसी भावनाओं को विकसित करने का एक अच्छा माध्यम हैं. यह युवा प्रतिभाओं के समग्र विकास और प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं. मुझे पूरा विश्वास है कि यह आयोजन युवाओं के भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा. इस युवा महोत्सव में पधारे सभी प्रतिभागियों को मेरी शुभकामनाएं.

**कन्हैया लाल बेरवाल (सेवानिवृत्त आई.पी.एस.)**
**कुलाधिपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर**

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के सहयोग से 38वां भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा उत्सव 26 से 30 नवम्बर, 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. की ओर से युवा महोत्सव 2024 के इस उल्लासपूर्ण आयोजन में आप सभी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करती हूँ। यह उत्सव आपके भीतर छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने, रचनात्मक विचारों को पंख देने और सहयोग, समर्पण एवं सामूहिकता के मूल्यों को सशक्त करने का मंच है। इस आयोजन के माध्यम से हम आपको अपनी कला, संस्कृति, ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। मैं आशा करती हूँ कि यह उत्सव न केवल आपके व्यक्तित्व को निखारेगा, बल्कि आपके भीतर नए उत्साह और प्रेरणा का संचार करेगा। सभी प्रतिभागियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

**कर्नल प्रो. नीलिमा गुप्ता**
**कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर**

युवा महोत्सव हमारे युवाओं में रचनात्मकता, प्रतिभा और नवाचार की अभिव्यक्ति के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करते हैं। इस समय युवाओं की ऊर्जा और उत्साह मुख्य रूप से प्रदर्शित होते हैं, जो यह दिखाते हैं कि प्रत्येक छात्र के भीतर अद्वितीय संभावनाओं का भंडार है। यह महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं है; यह हमारे युवा छात्र समुदाय की जीवनशक्ति और गतिशीलता का प्रतीक है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ हर वर्ष अंतर-विश्वविद्यालयीन युवा महोत्सव का आयोजन क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर करता है, जिसमें सदस्य विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों के युवा कलाकार बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। इस वर्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ का 38वां अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. द्वारा आयोजित किया जा रहा है। मैं प्रत्येक प्रतिभागी को उत्साहपूर्वक युवा महोत्सव में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। विश्वविद्यालय की कुलपति सहित समस्त आयोजकों, स्वयंसेवकों और मध्य क्षेत्र विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों को एक आनंदमयी और सफल युवा महोत्सव की शुभकामनाएँ देता हूँ.

**प्रो. विनय कुमार पाठक**
**अध्यक्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ**

डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, म.प्र. में 26 से 30 नवम्बर 2024 तक हो रहे 38वें भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव लिए हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह महत्वपूर्ण आयोजन न केवल हमारे युवाओं की जीवंत प्रतिभा का उत्सव है, बल्कि यह सांस्कृतिक एकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को भी बढ़ावा देता है। ऐसे भव्य महोत्सव युवा मानसिकताओं को पोषित करने और उन्हें संगीत, नृत्य, नाटक, ललित कला, और साहित्य जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुझे विश्वास है कि यह महोत्सव खुशी, रचनात्मकता और अविस्मरणीय यादों से भरा होगा, यही मेरी कामना है।

**डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल**
**महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ**

मुझे खुशी है कि 38वां भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव 26 से 30 नवम्बर, 2024 तक डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में आयोजित किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि यह महोत्सव विश्वविद्यालय के युवाओं को स्वस्थ संवाद का अवसर प्रदान करेगा और उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और सौंदर्यात्मक गतिविधियों में उनके कौशल को बढ़ावा देगा। इसके अतिरिक्त, यह आयोजन युवाओं में एकता, भाईचारे, शांति और नेतृत्व गुणों की भावना को प्रोत्साहित करने में मदद करेगा। इस अवसर पर, मैं विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देती हूँ।

**डॉ. ममता रानी अग्रवाल**
**अतिरिक्त सचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ**

यह प्रसन्नता का विषय है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली ने डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. को 38वें भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव की मेज़बानी का अवसर प्रदान किया है, जो 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन विभिन्न सांस्कृतिक और कलात्मक अभिव्यक्तियों का एक समृद्ध संयोजन प्रस्तुत करेगा। इस महोत्सव में नाटक, साहित्य, ललित कला सहित अनेक प्रकार की गतिविधियाँ शामिल की गई हैं, जो प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी कला का प्रदर्शन करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहा है। हमें विश्वास है कि आपकी सक्रिय भागीदारी इस कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान करेगी।

**प्रो. ए.डी. शर्मा**
**अधिष्ठाता, छात्र कल्याण विभाग**

मुझे खुशी हो रही है कि "गौर गौरव उत्सव 2024", 38वां भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव, का आयोजन डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के सहयोग से 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। यह मंच युवाओं को अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान कर रहा है. जिसमे विद्यार्थी अपनी कला और हुनर से लोगों को विभिन्न संस्कृति और रचनाधर्मिता का परिचय देंगे. ऐसे आयोजन युवाओं में एकता और सकारात्मक उर्जा का संचार तो करते ही है साथ ही उन्हें आगे बढ़ने कि लगन भी पैदा करते है. सभी प्रतिभागियों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.

**डॉ. एस.पी. उपाध्याय**

**कुलसचिव, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय**

आप सभी से यह समाचार साझा करते हुए मुझे अत्यंत ख़ुशी हो रही है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली ने डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) को 38वें भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर-विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव 2024 - गौर गौरव उत्सव की मेज़बानी का अवसर प्रदान किया है, जो 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित होगा। इस तरह के युवा महोत्सव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है. जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और भाषा के अद्भुत मिलन को दर्शाता है. विद्यार्थियों को चाहिए कि वो इस तरह के आयोजनों में सक्रीय रूप से प्रतिभाग करें. विभिन्न विश्वविद्यालयों के शामिल सभी प्रतिभागियों को मेरी शुभकामनाये एवं बधाई.

**डॉ. राकेश सोनी**

**आयोजन सचिव, सांस्कृतिक परिषद, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय**

# Inaugural Ceremony

You are cordially invited to the Inaugural Function of the

## 38th AIU Inter-University Central Zone Youth Festival

GOUR GOURAV UTSAV 2024

**26th - 30th November, 2024**

**Chief Guest**

**Shri Rajendra Shukla**
Hon'ble Deputy Chief Minister, MP

**Guest of Honour**

**Hon'ble Smt. Lata Wankhede**
Member of Parliament
Sagar (M.P.)

**Hon'ble Shailendra Jain**
MLA. Sagar (M.P.)

**Shri Mukesh Tiwari**
Famous Cine Artist
Mumbai

**Hon'ble Bhupendra Singh**
MLA, Khurai & Former Cabinet Minister
Govt of Madhya Pradesh

**Smt. Sangeeta Tiwari**
Hon'ble Mayor, Nagar Nigam, Sagar

**Dr. Mamta R Agrawal**
Additional Secretary
AIU, New Delhi

**Preside over the function**

**Shri Kanhaiya Lal Berwal**
Hon'ble Chancellor
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar

**Patron**

**Prof. Neelima Gupta**
Hon'ble Vice Chancellor
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar

**Date: 26 November, 2024 | Time: 5.00 pm**
**Venue: Gour Prangan**

**Dr. Rakesh Soni**
Organizing Secretary

**Prof. A. D. Sharma**
Convener

**Dr. S. P. Upadhyay**
Registrar

# Events Schedule and Venue

| Day | Gour Prangan | Abhimanch Auditorium | Golden Jubilee Auditorium | Ranganathan Bhawan | Acharya Shankar Bhawan |
|---|---|---|---|---|---|
| 26th Nov 2024 (Tue) | Inaugural Ceremony (5:00PM) | Classical Instrumental Solo (Percussion) (10:00 AM) | | Manager's Meet (9:30 AM)<br>Debate (10:00 AM) | |
| 27th Nov 2024 (Wed) | | Classical Instrumental Solo (Non-Percussion) (2:00 PM)<br>Classical Vocal Solo (Hindustani/Karnatak) (4:00 PM) | One Act Play (Day-1) (10:AM) | Quiz Prelims (3:00 PM) | On the Spot Painting (1:00 AM)<br>Clay Modeling (4:00 PM) |
| 28th Nov 2024 (Thu) | Group Song (Indian) (10:00 AM)<br>Group Song (Western) (3:00 PM) | Western Vocal (Solo) (10:00 AM)<br>Light Vocal (Solo) (3:00 PM) | One Act Play (Day-2) (10:00 AM)<br>Classical Dance (3:00 PM) | Elocution (10:00 AM)<br>Quiz Mains (3:00 PM) | Spot Photography (10:00 AM)<br>Installation (1:00 PM)<br>Cartooning (4:00 PM) |
| 29th Nov 2024 (Fri) | Folk Orchestra (10:00 AM))<br>Folk/Tribal Dance (3:00 PM) | Western Instrumental (Solo) (10:00 AM) | Skit (10:00 AM)<br>Mime (3:00 PM)<br>Mimicry (5:00 PM) | | Mehandi (10:00 AM)<br>Collage (1:00 PM)<br>Rangoli (4:00 PM) |
| 30th Nov 2024 (Sat) | Valedictory Ceremony (10:00 AM) | | | | |

**Cultural Procession**

**26th November 2024**

1:00 PM Onwards

From Gour Murti Sagar (City) to Gour Prangan

## युवा उत्सव में रौशनी से जगमग विश्वविद्यालय परिसर

# ध्वजारोहण, मशाल और आतिशबाजी के साथ हुआ युवा उत्सव का आगाज

## मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के उद्घाटन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है.

युवा उत्सव का उद्घाटन समारोह 26 नवम्बर को सायं 6 बजे गौर प्रांगण में सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सागर विधायक शैलेन्द्र जैन, सागर महापौर संगीता तिवारी, प्रख्यात सिने अभिनेता मुकेश तिवारी, एआईयू की अतिरिक्त सचिव डॉ. ममता आर अग्रवाल, युवा नेता गौरव सिरोठिया, शैलेश केसरवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे. कार्यक्रम की संरक्षिका कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता रहीं। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने की। इस दौरान छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, प्रभारी कुलसचिव सत्यप्रकाश उपाध्याय मौजूद थे। स्वागत भाषण डॉ. राकेश सोनी ने दिया। एआईयू की अतिरिक्त सचिव डॉ. ममता अग्रवाल ने सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालय से आये छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी तरह की अभिव्यक्तियां कला हैं। उन्होंने व्यापक स्वरूप में किये गए इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के सभी आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए म. प्र. के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। भारत सुपर इकोनॉमिक पावर बनने जा रहा है। यह विश्वविद्यालय एक महापुरुष द्वारा स्थापित है। संविधान निर्माण में उनका योगदान बहुत बड़ा है। वे एक प्रेरणा पुंज हैं। उनके जीवन गाथा से प्रेरणा और विचारों को आत्मसात करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने युवा उत्सव में आये सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मैं इस विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूँ। यहां का वातावरण अध्ययन के लिए बहुत अच्छा है। यहां से बहुत से छात्रों ने पढ़कर देश विदेश में नाम कमाया है। यहां के अनुभवों से सीखिए।

जीवन में उनको अपनाइए। यह डॉ. गौर की धरती है। यहां के अनुभव और शिक्षा को अपने जीवन में अपनाकर अपना भविष्य और देश के भविष्य को संवारिये। प्रख्यात सिने अभिनेता मुकेश तिवारी ने कहा कि यह बुंदेलखंड की धरती है। मैं यहीं पैदा हुआ, यहीं बड़ा हुआ। यहां की माटी बहुत पवित्र है। यहां से सीखकर जाइये और अपने जीवन में अच्छा कार्य करिए। उन्होंने प्रतिभागियों को जीत और हर के मायने समझाए औऱ अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के स्वागत करते हुए अगले पांच दिनो तक चलने वाले युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज,

मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 27 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी.

### तीनबत्ती से निकली सांस्कृतिक रैली, टीम ने दीं प्रस्तुतियां

इस अवसर पर युवा उत्सव की शोभायात्रा तीनबत्ती से प्रारंभ होकर, कोतवाली, चकराघाट, नवीन कोरिडोर, गोपालगंज होते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पर समाप्त हुई। रैली में विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति

दी। वृंदावन बाग के पास सभी सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रस्तुति दी. शहर के गणमान्य नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने रैली का स्वागत किया एवं जलपान की व्यवस्था की।

### बुंदेलखंड विकास मंच ने पच भेंट किया

गोपालगंज स्थित बुंदेलखंड विकास मंच ने डॉ गौर के जन्मदिन पर पच भेंट किया जिसमें डॉ. गौर के कपड़े, झूला, मिठाई, गुड़ के लड्डू और एक हजार किताबें भी पुस्तकालय के लिए दान में दीं। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता, एआईयू की अतिरिक्त सचिव डॉ. ममता अग्रवाल एवं अन्य अतिथियों ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय का ध्वजारोहण कर युवा उत्सव की शुरुआत की। उपमुख्यमंत्री ने हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम के तहत भारत के संविधान की उद्देशिका का वाचन किया जिसे सभी उपस्थित समूह ने दुहराया।

## द्वितीय दिवस

## अभिनय, वाद-विवाद, वादन और चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के

संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभार्ति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं.

## आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गईं. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए. प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी.

देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है.

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया. बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया.

राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया।

प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों ने सभी टीमों प्रतिभागियों के अभिनय, ऊर्जा और नाटक के प्रभावी सन्देश की सराहना की। वन-एक्ट प्ले की शेष प्रतियोगिताएं कल स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न होंगी.

## शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया. वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। इस प्रतियोगिता में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम विश्वविद्यालय, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, भातखंडे विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, विक्रम विश्वविद्यालय, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया. सभी विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी

सांस्कृतिक परंपराओं और संगीत कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की और परिणाम की घोषणा के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। यह युवा उत्सव युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

## युवाओं ने तबले की थाप से दिखाई अद्भुत कलाकारी

युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी. प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी, जिससे पूरे गौर प्रांगण में एक अद्भुत संगीतात्मक माहौल बन गया। श्रोतागण ने इन युवा कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति को विस्मय और उत्साह के साथ सुना। कई प्रतिभागियों ने तबलावादन में पढ़ंत के साथ हारमोनियम और तबला वादन में पढ़ंत के साथ सारंगी की संगत भी दी, जिससे प्रस्तुति और भी आकर्षक बन गई। शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित संगीतज्ञ डॉ. आर.के. राठौर (जयपुर घराना), डॉ. आलोक शुक्ला (खैरागढ़ विश्वविद्यालय), और प्रसिद्ध गायक सोमवीर कथुरवाल शामिल थे। प्रतियोगिता में रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल; और भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय, लखनऊ सहित अन्य विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। युवा प्रतिभाओं ने इस मंच के माध्यम से अपना हुनर दिखाया और शास्त्रीय संगीत की परंपरा को जीवंत रखने का सन्देश दिया.

## प्रतिभागियों ने विजुअल मीडिया के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव पर पक्ष और विपक्ष में रखे तर्क

विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, दयालबाग एजुकेशनल विश्वविद्यालय, एकलव्य विश्वविद्यालय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों ने भाग लिया. प्रतियोगिता का विषय था: 'सदन का मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है'. प्रतिभागियों ने इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए और विजुअल मीडिया के फायदे और

कमियों को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। छात्रों ने कई अनूठे और विचारोत्तेजक तर्क प्रस्तुत किए, जिसने सभागार में उपस्थित श्रोताओं और निर्णायकों पर गहरी छाप छोड़ी.

### युवा महोत्सव में प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, एकेस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं तकनीक विश्वविद्यालय अयोध्या, एकलव्य यूनिवर्सिटी दमोह, दयालबाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट दयालबाग आगरा, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के प्रतिभागियों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाश मालवीय थे.

### ‘विकसित भारत’ और ‘भारत की विरासत’ थीम पर बनाए आकर्षक पोस्टर, मां-बच्चे और श्रम थीम पर बनाई मिट्टी से कलाकृतियाँ

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में ‘विकसित भारत’ एवं ‘भारत की विरासत’ थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए. प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग

प्रतियोगिता में ‘माँ-बच्चे’ और ‘श्रम’ थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियाँ बनाई. इस प्रतियोगिता में बीस विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और आकाश मालवीय थे.

## तृतीय दिवस

### पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने प्रतिभागियों ने किया इंस्टालेशन

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.

### स्पॉट फोटोग्राफी में प्रतिभागियों ने लिए आकर्षक छायाचित्र

स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी. इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने

भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे.

### विभाजन की त्रासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक कुरीतियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां हुईं

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं. रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके

माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के छात्रों ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार, सती प्रथा और विकसित भारत के विषयों को मंच पर प्रस्तुत किया। यह नाटक भारत के विकास और नाटकों की महत्ता पर आधारित था। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ने गिरिश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक 'हयवदन' पर प्रस्तुति दी जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली बोली, संगीत का उपयोग कर प्रस्तुति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया.

संचालन डॉ. नीरज उपाध्याय ने किया. दो दिवसीय वन-एक्ट नाटकों की यह प्रतियोगिता युवाओं की रचनात्मकता और अभिनय कौशल का बेहतरीन मंच साबित हुई। दोनों दिनों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को न केवल मनोरंजन किया, बल्कि समाज के विभिन्न मुद्दों पर सोचने को भी विवश किया.

### सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कार्टूनिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देशभर की 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की थीम 'सोशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कार्यों को देखकर निर्णायक मंडल ने भी प्रशंसा की। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और सृजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर रहा है, जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

### देशभक्ति और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित रहीं समूह गान की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (पाश्चात्य) की प्रस्तुतियां संपन्न हुईं. कार्यक्रम के दौरान बुन्देली के प्रख्यात लोक गायक शिव रतन यादव, हरगोविन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे. विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकाँश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की

प्रस्तुति दी. बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किये गये जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया. कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को लुभाते नजर आए तथा होली के गीतों ने भी ऊर्जा का संचार किया.

**प्रतिभागियों ने दीं भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कलात्मक प्रस्तुतियां**

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई. नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का

आवंटित था. प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया. प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, रिकॉर्डिंग उपकरणों का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित था। निर्णायक मंडल में कथक की प्रख्यात विशेषज्ञ एवं दिल्ली दूरदर्शन की पूर्व कलाकार श्रीमती शालिनी शर्मा, उमा महेश्वरा और जाने-माने कला समीक्षक रूपइंदर पवार थे. यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति की विविधता और शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनी। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

**पाश्चात्य एकल एवं समूह गीतों की हुई आनंददायक प्रस्तुतियां**

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गीतों की प्रतियोगिता समपन्न हुई. इसमें प्रतिभागियों ने गीतों के माध्यम से प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुतियां दीं.

पाश्चात्य एकल गायन प्रतियोगिता अभिमंच सभागार में आयोजित की गई जिसमें 16 विश्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी। नियम के अनुसार प्रत्येक विश्वविद्यालय को 4 से 6 मिनट का समय दिया गया जिसमें 2 मिनट स्टेज सेट करने के लिए समय दिया गया। सभी प्रतिभागीयों ने अंग्रेजी भाषा में अपनी प्रस्तुति दी। प्रख्यात गायक एड शिरीन का पर्फेक्ट, एलि गोल्डिंग का लव मी लाइक यू डु, अडेल का रोलिंग इन द डीप जैसे चर्चित गाने प्रस्तुत किये जिन्हें सुनकर सभी श्रोता झूम उठे। सभी विश्वविद्यालयों के प्रदर्शनों ने कार्यक्रम में रोमांच का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में केवल प्रतिभागियों को अपनी कला और प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया, बल्कि यह उनके समर्पण और मेहनत को भी प्रदर्शित करने का एक मंच था। मंच संचालन सलोनी शर्मा द्वारा किया गया. निर्णायक मंडल में डैनी शर्मा, राजेश कोटा, रेखा मुखर्जी उपस्थित थे. समन्वयक अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने निर्णायक मंडल को सम्मानित किया.

**क्विज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न** इस क्विज़ प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया। क्विज़ मास्टर के रूप में AIU से पधारे तकनीकी पर्यवेक्षक श्री दीपक झा ने न केवल प्रतिभागियों से रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे बल्कि दर्शकों के लिए भी प्रश्न रखकर उन्हें प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से जोड़े रखा। उनकी प्रस्तुति ने प्रतियोगिता को शुरुआत से अंत तक मनोरंजक बनाए रखा। परिणाम भी जारी किये गए जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने द्वितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनों टीमों ने राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए क्वालिफाई किया।

## चतुर्थ दिवस

## लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

### गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की. धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने  प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया.

### नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले.

### कतरनों से बनाए आकर्षक कोलॉज

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे  समय का आवंटन दिया गया जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से कोई सुसज्जित पोर्ट्रेट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया. नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया. निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे.

## बदलते मानवीय संबंध, लैंगिक भेदभाव, अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को रेखांकित किया

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुई जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी. एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने

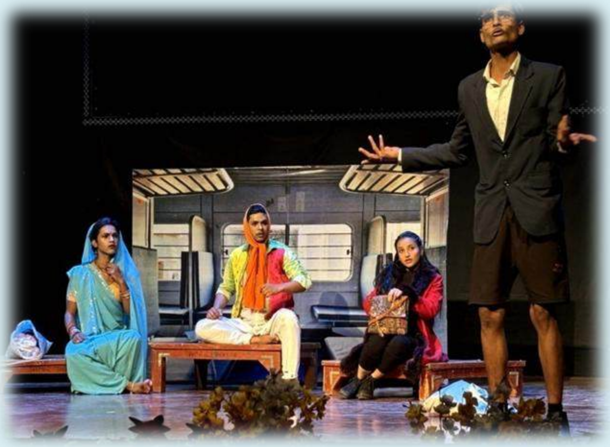

भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। जागरण लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, माँ की ममता और स्नेह, जंगल की सियासत और राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के ढुलमुल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा. निर्णायक मंडल में मोहन कांत, राजीव राठौर और श्रीदयाल थे. कार्यक्रम में विवि के पूर्व छात्र हरीश दुबे (पुलिस अधिकारी) और सचिन नायक (टीवी विज्ञापन अभिनेता) भी सम्मिलित हुए। सभी का सम्मान डॉ. अल्ताफ मुलानी द्वारा किया गया।

## प्रतिभागियों ने हाथों में रचीं डिजाइनदार मेहंदी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन

बनाते हाथों में मेहंदी लगाई. प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया.

## मूक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फ हाव-भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों

के जरिए प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष रूप से रोमांचक और यादगार बना। बिना शब्दों के, केवल शरीर की भाषा और चेहरे के उतार-चढ़ाव के जरिए छात्रों ने समाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया। इस प्रतियोगिता में 13 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की.

## केसरिया बालम पधारो म्हारे देश..........लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां दीं. लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था जिसमें किसी इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यन्त्र का प्रयोग वर्जित था. प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था.

इन प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी सहित कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।
इन प्रस्तुतियों के समय दौरान शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं उनके परिवार भी उपस्थित रहे. इस प्रतियोगिता में पूर्व विधायक श्रीमती पारुल साहू अतिथि के रूप में पधारीं जिनका शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया. इस अवसर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा उत्सव युवाओं की रचनात्मक और सृजनात्मक गतिविधियों में सम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराता है. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के लिए इतना बड़ा दान दिया जिससे आज यह विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित है. मैं एक ऐसे महान पुरुष को भारत रत्न दिए जाने की अपील करती हूँ और समाज से आवाह्न करती हूँ कि ऐसे महान दानवीर, शिक्षाविद और समाज सुधारक को भारत रत्न दिलाने की मुहिम में शामिल हों.

# समापन समारोह

## मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपति

### कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया. युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश श्री गंगाचरण दुबे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे. प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये. उन्होंने कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए. सदैव कर्मशील रहिये. कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे. उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है. तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है. उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए. अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती हैं. अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए. गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है. उन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्बोधन दिया जिसे विद्यार्थियों के बीच काफी सराहा गया. अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी. लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की

प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरुप में संभव हो पाया. क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं. उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव. इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है. प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है. मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है. हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आपके कदम चूमेगी.

**सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्स्ट रनर अप**

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला. थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है. साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा.

युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज़, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई.

**ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी**

युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली.

अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी प्रदान की गई. प्रतियोगिता के अन्य परिणाम इस प्रकार हैं.

**संगीत श्रेणी** में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कृष्णगोपाल श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विट्ठल भाई पटेल ट्रॉफी तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यलय जबलपुर को शरद तात्या ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के क्लासिकल वोकल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ द्वितीय, आईटीएम ग्वालियर तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (पर्कशन) में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर

प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) में भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, बीएचयू वाराणसी तृतीय, लाइट वोकल (इंडियन) में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, आईटीएम ग्वालियर द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर तृतीय, वेस्टर्न वोकल सोलो में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (इंडियन) में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (वेस्टर्न) में दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, फोक ऑर्केस्ट्रा में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय स्थान पर रहे.

**नृत्य श्रेणी** में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाठक ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप एकेएस विश्वविद्यालय सतना को प्रेम गुरुजी ट्रॉफी और सेकंड रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को चुन्नीलाल रैकवार ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के फोक/ट्राइबल डांस में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर तृतीय, क्लासिकल डांस में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह द्वितीय, भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ तृतीय स्थानों पर रहे.

**साहित्यिक विधा** में ओवरऑल विजेता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को कामता प्रसाद गुरु ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को सहोद्रा राय ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के क्विज़ में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, बीएचयू वाराणसी द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, भाषण प्रतियोगिता (एलोक्यूशन) में बीएचयू वाराणसी प्रथम, आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, वाद-विवाद (डिबेट) में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय तथा आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय स्थान पर रहे.

**नाट्य श्रेणी (थिएटर) में** ओवरऑल विजेता डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर को श्यामकांत मिश्र ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनेशभाई पटेल ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेएस विवि सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के वन-एक्ट प्लेमें राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर प्रथम, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, स्किट में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, माइम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन तृतीय, मिमिक्री में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय और बीएचयू वाराणसी तृतीय स्थान पर रहे.

**फाइन आर्ट्स श्रेणी** में ओवर ऑल विजेता बीएचयू वाराणसी को शिव कुमार श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरठ एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को विवेक दत्त झा ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व् राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि को विवेक दत्त झा ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के ऑन द स्पॉट पेंटिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय, कोलाज में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, पोस्टर मेकिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर तृतीय, क्ले मॉडलिंग में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन प्रथम, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, कार्टूनिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय तृतीय, रंगोली में भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वितीय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ तृतीय, स्पॉट फोटोग्राफी में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय, इंस्टॉलेशन में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय, मेहंदी में बीएचयू वाराणसी प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय और ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना तृतीय स्थान पर रहे.

**सांस्कृतिक रैली में** डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर प्रथम स्थान पर रहा. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वितीय और जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय स्थान पर रहे.

**दल प्रबंधकों और छात्र प्रतिनिधियों ने दिया फीडबैक**

एकेएस विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधियों और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के दल प्रबंधकों ने फीडबैक प्रस्तुत किया. इन सभी ने आयोजक विश्वविद्यालय की मेजबानी, स्वागत, सत्कार, भोजन, आवास, तकनीकी सहयोग एवं अन्य सभी तरह के सहयोग के लिए आभार जताया. एकेएस विवि सतना के दल ने बरेधी नृत्य और डॉ. हरीसिंह गौर विवि के दल ने फोक आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया. राष्ट्र गान के साथ समारोह का समापन हुआ.

-------------------------------------

# सांस्कृतिक रैली

## उद्घाटन कार्यक्रम की झलकियाँ

# प्रस्तुत कार्यक्रमों की झलकियाँ

NEHA

NEHA

NEHA

# प्रस्तुत कार्यक्रमों की झलकियाँ

38th AIU Inter-

Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
26th - 30th November 2024

38th AIU Inter-University Central
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
26th - 30th November 2024
Western Vocal Solo
28th November 2024
S.S.YaDavji

S.S.YaDavji

GOUR
GOURAV
UTSAV 2024
38th AIU Inter-University Central Zone
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
Organized by
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya
(A Central University)
Sagar (M.P.)
26th - 30th November 2024
Under the aegis of
Association of Indian Universities (AIU)
New Delhi

SAVE
ENVIRONMENT

SAVE
EARTH
RGPV, BHOPAL

SAVE
ENVIRONMENT
SAVE
LIFE
DR. BHIMRAO
AMBEDKAR
UNIVERSITY

# प्रस्तुत कार्यक्रमों की झलकियाँ

50

38th AIU Inter-University
Youth Festiva
mr.n.k.yadav

Divyanshu saroj

GOURAV
UTSAV 2024
AIU Inter-University
Festival

Inter-University Central
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
26th - 30th November 2024
Under the aegis of
New Delhi

GOURAV
UTSAV 2024
AIU Inter-University
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
Organized by
26th - 30th November 2024

GOURAV
AIU Inter-Universit Central Zone

38th AIU
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
26th - 30th November 2024

GOURAV
UTSAV 2024
AIU Inter-University
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
Organized by
November 2024

GOURAV
UTSAV 2024
Inter-University Central Zone
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)

GOURAV
UTSAV 2024
38th AIU Inter-University Central Zone
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
26th - 30th November 2024

GOURAV
UTSAV 2024
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
26th - 30th November 2024
Under the aegis of

GOURAV
UTSAV 2024
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
Organized by
26th - 30th November 2024

GOURAV
UTSAV 2024
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
Under the aegis of

AIU Inter-University
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
Organized by
26th - 30th November 2024

GOURAV
UTSAV 2024
38th AIU Inter-University Central Zone
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)

GOURAV
UTSAV 2024
AIU Inter-University
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
Organized by

Inter-University
Youth Festival
(Celebrating 100 Years of Excellence)
26th - 30th November 2024

ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

# खबरों में गौर गौरव उत्सव 2024

## 38 वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

### अभिनय, वाद-विवाद, वादन और चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

जनचिंगारी-9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय,

उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभार्ति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,

वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

**आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण पर प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां:** विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गई. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए. प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरुभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है. बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया। बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया।

---

**मध्य क्षेत्र युवा उत्सव** — महोत्सव में विभिन्न विश्वविद्यालयों के एक हजार प्रतिभागी भाग ले रहे हैं

## महाकाव्य महाभारत पर आधारित संस्कृत नाटक ऊरुभंगम का मंचन

नवभारत न्यूज

**सागर 27 नवम्बर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं.**

स्वर्ण जयंती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा वन एक्ट प्ले की प्रस्तुतियां दी गईं. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के

रूप में शामिल हुए. प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक ऊरुभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो महाकाव्य महाभारत पर आधारित है. जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा दुविधा की नाट्य प्रस्तुति दी. देवी अहिल्याबाई विवि इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी. यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है. बरकतुल्लाह विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया. बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आर्कषित किया. राजा मानसिंह तोमर विवि ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया. रानी दुर्गावती विवि जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी गई.

---

अभिनय, वाद-विवाद, वादन, चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

## 38 वां मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सवः दूसरा दिन

[illegible] • सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (यू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग,आगरा,देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर,

स्वामी विवेकानन्द शुभार्ति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं। राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया।

प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों ने सभी टीमों प्रतिभागियों के अभिनय, ऊर्जा और नाटक के प्रभावी सन्देश की सराहना की। वन-एक्ट प्ले की शेष प्रतियोगिताएं कल स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न होंगी।

**आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां**

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गईं. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरुभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया. बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

महोत्सव अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में अभिनय, वाद-विवाद और चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

# नाटक में नजर आई वीरता की झलक, साइबर अपराधों से बचने किया जागरूक

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक एवं संविधान सभा के सदस्य डा. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने अभिनय से लेकर गायन में अपनी प्रस्तुति दी।

गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गईं। पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विझयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है। बरकतुल्लाह विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया। बालिका अत्याचार और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

कार्यक्रम मै वीरता की झलक दिखाने नाटक की प्रस्तुति देते हुए कलाकार। नवदुनिया

प्रतियोगिता के दौरान रोबोट पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी गई। नवदुनिया

**प्रमोशन के लिए संघर्ष को हास्यात्मक तरीके से किया प्रस्तुत** : कार्यक्रम में राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी।

**शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दी प्रस्तुति** : युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। प्रतियोगिता में सभी विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और संगीत कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की और परिणाम की घोषणा के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी, जिससे पूरे गौर प्रांगण में एक अद्भुत संगीतात्मक माहौल बन गया।

**23 विवि के प्रतिभागी वाद-विवाद प्रतियोगिता में हुए शामिल** : रंगनाथन भवन में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का विषय था: 'सदन का मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है' प्रतिभागियों ने इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए और विजुअल मीडिया के फायदे और कमियों को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। वहीं विवि के आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाश मालवीय थे। विवि के आचार्य शंकर भवन में 'विकसित भारत' एवं 'भारत की विरासत' थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग प्रतियोगिता में 'मां-बच्चे' और 'श्रम' थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाईं। इस प्रतियोगिता मंव बीस विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और आकाश मालवीय थे।

---



मध्य क्षेत्र युवा उत्सव दूसरा दिन •

वाद-विवाद, अभिनय, वाद-विवाद, चित्रकारी आदि की प्रतियोगिताएं हुईं

# ग्वालियर के विद्यार्थियों ने बुंदेली भाषा में दी बुंदेला विद्रोह की प्रस्तुति, महिलाओं के शोषण और सामाजिक समस्याओं को भी दर्शाया, स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विवि के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती पर गौर गौरव उत्सव के तहत डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में एआईयू के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन अलग-अलग प्रस्तुतियां हुईं। युवा उत्सव में दो राज्यों के 23 विश्वविद्यालयों के 955 विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं।

स्वर्ण जयंती सभागार में वन एक्ट प्ले की प्रस्तुतियां हुईं। वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने उरुभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया। जागरण लेक विवि के विद्यार्थियों ने दुविधा, देवी अहिल्याबाई विवि इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स, बरकतउल्लाह विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी। राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरुकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विवि, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। दयालबाग विवि, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी।

नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया। नॉन-पर्कशन में प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता कर निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। रंगनाथन भवन में हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय सहित 23 विवि के विद्यारियों ने सहभागिता की।

उन्होंने सदन का मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए। आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यारियों ने अपने भाव उकेरे। आचार्य शंकर भवन में विकसित भारत एवं भारत की विरासत थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में मां-बच्चे और 'श्रम' थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाईं।

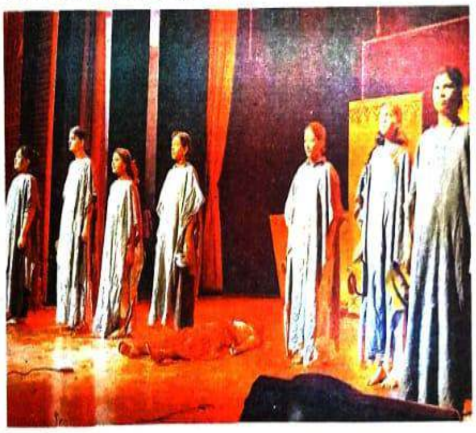

## आज यह प्रस्तुतियां होंगी

- गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से समूह गान भारतीय तथा 3 बजे से समूह गान वेस्टर्न कर प्रस्तुति होगी।
- अभिमंच सभागार में सुबह 10 बजे वेस्टर्न वोकल सोलो तथा दोपहर 3 बजे लाइट वोकल सोलो प्रतियोगिता होगी।
- गोल्डन जुबली हॉल में सुबह 10 बजे से वन एक्ट प्ले की प्रस्तुति तथा दोपहर 3 बजे से क्लासिकल डांस की प्रतियोगिता होंगी।
- रंगनाथन भवन में सुबह 10 बजे से भाषण प्रतियोगिता, दोपहर 3 बजे से प्रश्नमंच मुख्य प्रतियोगिता होगी।
- आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे से स्पॉट फोटोग्राफी, दोपहर 1 बजे से इंस्टालेशन और शाम 4 बजे से कार्टूनिंग की प्रतियोगिता होगी।

---

धूमधाम से मनाया जा रहा 38 वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

# दूसरे दिन प्रतिभागियों ने दिखाई विविध कला प्रतिभाएं

**सागर, देशबन्धु।** डॉ. हरीसिंह गौर विवि में आयोजित मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव गौर गौरव उत्सव के दूसरे दिन छात्रों ने अभिनय, वाद्य संगीत, वाद्-विवाद, चित्रकारी और मूर्तिकला में अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में वन-एक्ट प्ले प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 10 विश्वविद्यालयों ने अपने नाटकों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों, ऐतिहासिक घटनाओं और आधुनिक चुनौतियों को प्रस्तुत किया। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने महाभारत पर आधारित ऊरूभंगम की प्रस्तुति दी। जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी ने विजयदान देथा की दुविधा को मंच पर जीवंत किया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर ने रोबोटिक्स और मानवीय मूल्यों के बीच संघर्ष को दर्शाया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों के अधिकारों और समाज की नकारात्मक सोच को चुनौती दी। अन्य प्रस्तुतियों में बुंदेली विद्रोह, साइबर अपराध और सती प्रथा जैसे मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया गया। निर्णायकों और दर्शकों ने प्रतिभागियों की सराहना की। क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो नॉन पर्कशन और शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिताओं ने संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। बरकतुल्ला, देवी अहिल्या, रानी दुर्गावती और भातखंडे विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी सांगीतिक परंपराओं का प्रदर्शन किया। तबला और अन्य ताल वाद्यों पर प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति प्रभावित किया। रंगनाथन भवन में आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने विजुअल मीडिया के समाज पर प्रभाव पर पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रतिभागियों ने तर्कों के माध्यम से श्रोताओं और निर्णायकों पर गहरी छाप छोड़ी। आचार्य शंकर भवन में आयोजित पेंटिंग और क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने विकसित भारत, भारत की विरासत, मां-बच्चे और श्रम् जैसे विषयों पर अपनी कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। पोस्टरों और मिट्टी की कलाकृतियों ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक विषयों को रचनात्मकता से उजागर किया। प्रतियोगिता में 20 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। यह युवा उत्सव न केवल कला और संस्कृति के प्रति छात्रों की रुचि को प्रोत्साहित कर रहा है बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को भी सहेजने और बढ़ावा देने का माध्यम बन रहा है।

## युवा उत्सव के दूसरे दिन अभिनय, वाद-विवाद, वादन व चित्रकारी में दिखाई प्रतिभा

# मंच पर बताई मनुष्य व रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा, साइबर सुरक्षा का दिया संदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**सागर.** डॉ. सर हरिसिंह गौर के 155वीं जयंती पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन बुधवार को अभिनय, वाद-विवाद, वादन और चित्रकारी प्रतियोगिता में 955 प्रतिभागियों ने प्रतिभा दिखाई। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों ने वन एक्ट प्ले की प्रस्तुति दी। आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण में रोबोट और मनुष्य के बीच की प्रतिस्पर्धा के मुद्दे पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां दी।

सभागार में पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं। वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने संस्कृत नाटक ऊरूभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया।

राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया।

### प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाश मालवीय थे। इसके साथ ही विकसित भारत एवं भारत की विरासत थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में मां-बच्चे और श्रम थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाईं। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और आकाश मालवीय थे।

### शास्त्रीय ताल वाद्य वादन ने बांधा समां

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रुमेंट सोलो (नॉन-पर्कशन) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित संगीतज्ञ डॉ. आरके राठौर, डॉ. आलोक शुक्ला और प्रसिद्ध गायक सोमवीर कथुरवाल शामिल थे।

---

# 38वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का दूसरा दिन

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभार्ति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गई. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुई. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए. प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी. देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है. बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया. बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया। युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया. वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया।

## 38 वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का दूसरा दिन

# अभिनय, वाद-विवाद, वादन, चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

**आचरण संवाददाता**

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभार्ति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

### आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गई. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुई. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भास द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरुभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है. बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया. बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया।

प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों ने सभी टीमों प्रतिभागियों के अभिनय, ऊर्जा और नाटक के प्रभावी सन्देश की सराहना की। वन-एक्ट प्ले की शेष प्रतियोगिताएं कल स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न होंगी।

### शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। इस प्रतियोगिता में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम विश्वविद्यालय, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, भातखंडे विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, विक्रम विश्वविद्यालय, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया. सभी विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और संगीत कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की और परिणाम की घोषणा के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। यह युवा उत्सव युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

### युवाओं ने तबले की थाप से दिखाई अद्भुत कलाकारी

युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी, जिससे पूरे गौर प्रांगण में एक अद्भुत संगीतात्मक माहौल बन गया। श्रोतागण ने इन युवा कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति को विस्मय और उत्साह के साथ सुना। कई प्रतिभागियों ने तबलावादन में पढ़ंत के साथ हारमोनियम और तबला वादन में पढ़ंत के साथ सारंगी की संगत भी दी, जिससे प्रस्तुति और भी आकर्षक बन गई। शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित संगीतज्ञ डॉ. आर.के. राठौर (जयपुर घराना), डॉ. आलोक शुक्ला (खैरागढ़ विश्वविद्यालय), और प्रसिद्ध गायक सोमवीर कथुरवाल शामिल थे। प्रतियोगिता में रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल; और भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय, लखनऊ सहित अन्य विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। युवा प्रतिभाओं ने इस मंच के माध्यम से अपना हुनर दिखाया और शास्त्रीय संगीत की परंपरा को जीवंत रखने का सन्देश दिया।

### प्रतिभागियों ने विजुअल मीडिया के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव पर पक्ष और विपक्ष में रखे तर्क

विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, दयालबाग एजुकेशनल विश्वविद्यालय, एकलव्य विश्वविद्यालय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों ने भाग लिया. प्रतियोगिता का विषय था'सदन का मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है'. प्रतिभागियों ने इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए और विजुअल मीडिया के फायदे और कमियों को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। छात्रों ने कई अनूठे और विचारोत्तेजक तर्क प्रस्तुत किए, जिसने सभागार में उपस्थित श्रोताओं और निर्णायकों पर गहरी छाप छोड़ी।

### युवा महोत्सव में प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, एकेस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं तकनीक विश्वविद्यालय अयोध्या, एकलव्य यूनिवर्सिटी दमोह, दयालबाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट दयालबाग आगरा, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के प्रतिभागियों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाश मालवीय थे।

### विकसित भारत' और 'भारत की विरासत' थीम पर बनाए आकर्षक पोस्टर, मां-बच्चे और श्रम थीम पर बनाई मिट्टी से कलाकृतियाँ

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में 'विकसित भारत' एवं 'भारत की विरासत' थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए, प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग प्रतियोगिता में 'माँ-बच्चे' और 'श्रम' थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियाँ बनाई। इस प्रतियोगिता मंच बीस विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और आकाश मालवीय थे।

### आज मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में होने वाले कार्यक्रम

गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से ग्रुप सॉन्ग (इंडियन) तथा 3 बजे ग्रुप सॉन्ग (वेस्टर्न) का आयोजन किया जाएगा। अभिमंच सभागार में सुबह 10 बजे वेस्टर्न वोकल (सोलो) प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे लाइट वोकल (सोलो) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। गोल्डन जुबली हाल में सुबह 10 बजे वन एक्ट प्ले का दूसरा दिन तथा दोपहर 3 बजे से क्लासिकल डांस की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। रंगनाथन भवन के कार्यक्रमों में सुबह 10 बजे भाषण प्रतियोगिता एवं दोपहर 3 बजे से प्रश्नमंच (मुख्य) प्रतियोगिता देखने को मिलेगी। आचार्य शंकर भवन में कल तीन प्रतियोगिताओं का लुत्फ उठाने मिलेगा जिनमें स्पॉट फोटोग्राफी (सुबह 10 बजे), इंस्टालेशन (दोपहर 1 बजे) और कार्टूनिंग (शाम 4 बजे) शामिल है।

### 38वां मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का दूसरा दिन

# अभिनय, वाद-विवाद व चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभाएं

● सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। युवा उत्सव के पहले दिन विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा वन एक्ट प्ले की प्रस्तुतियां दी गई। प्रतियोगिता में एकेएस विवि सतना के प्रतिभागियो ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक ऊरुभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विवि द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा दुविधा की नाट्य प्रस्तुति दी। देवी अहिल्याबाई विवि इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है। बरकतुल्लाह विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया। बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया।

विजुअल मीडिया के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव पर पक्ष और विपक्ष में रखे तर्क : विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का विषय था सदन का मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रतिभागियों ने इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए और विजुअल मीडिया के फायदे और कमियों को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। छात्रों ने कई अनूठे और विचारोत्तेजक तर्क प्रस्तुत किए जिसने सभागार में उपस्थित श्रोताओं और निर्णायकों पर गहरी छाप छोड़ी।

## शास्त्रीय वादन एकल में कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय मे ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। श्रोतागण ने इन युवा कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति को विस्मय और उत्साह के साथ सुना। कई प्रतिभागियों ने तबलावादन मे पढ़ंत के साथ हारमोनियम और तबला वादन में पढ़ंत के साथ सारंगी की संगत भी दी, जिससे प्रस्तुति और भी आकर्षक बन गई।

## युवा महोत्सव में प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

विवि के आचार्य शंकर भवन मे पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विवि के आचार्य शंकर भवन मे विकसित भारत एवं भारत की विरासत थीम पर प्रतिभागियो ने पोस्टर बनाए। प्रतिभागियो ने कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग प्रतियोगिता मे मां बच्चे और श्रम थीम पर प्रतिभागियो ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतिया बनाई। इस प्रतियोगिता मे बीस विश्वविद्यालयो के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

---

# 38वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सवः दूसरा दिन

## अभिनय, वाद-विवाद, वादन, चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

अनुराग विश्वकर्मा,जिला ब्यूरो

सागर (विंध्यसत्ता) डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभारतिं विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं.

### आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गई. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए. प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी. देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है. बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया. बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया. राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया। प्रस्तुतियों के दौरान दर्शकों ने सभी टीमों प्रतिभागियों के अभिनय, ऊर्जा और नाटक के प्रभावी सन्देश की सराहना की। वन-एक्ट प्ले की शेष प्रतियोगिताएं कल स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न होंगी.

### शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (नॉन-परकशन) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया. वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। इस प्रतियोगिता में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम विश्वविद्यालय, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, भातखंडे विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, विक्रम विश्वविद्यालय, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया. सभी विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और संगीत कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की और परिणाम की घोषणा के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। यह युवा उत्सव युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

### युवाओं ने तबले की थाप से दिखाई अद्भुत कलाकारी

युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी. प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी, जिससे पूरे गौर प्रांगण में एक अद्भुत संगीतात्मक माहौल बन गया। श्रोतागण ने इन युवा कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति को विस्मय और उत्साह के साथ सुना। कई प्रतिभागियों ने तबलावादन में पढ़ंत के साथ हारमोनियम और तबला वादन में पढ़ंत के साथ सारंगी की संगत भी दी, जिससे प्रस्तुति और भी आकर्षक बन गई। शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित संगीतज्ञ डॉ. आर.के. राठौर (जयपुर घराना), डॉ. आलोक शुक्ला (खैरागढ़ विश्वविद्यालय), और प्रसिद्ध गायक सोमवीर कथुरवाल शामिल थे।

# विश्वविद्यालयः सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

जनचिंगारी

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ढ्ढ) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

**पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने प्रतिभागियों ने किया इंस्टालेशनः** विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

# सामाजिक कुरीतियों के विरोध के साथ पर्यावरण सरंक्षण का दिया संदेश

## डा. गौर महोत्सव ● सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

विवि परिसर में समूहगान करते हुए विद्यार्थी।● नवदुनिया

विद्यार्थियो ने अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया।● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक दानवीर डा. सर हरीसिंह गौर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में गुरुवार को नाटक के साथ विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट बनाकर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश भी दिया। विवि के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में 14 विश्वविद्यालयों के 56 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। वहीं स्पाट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी की फोटो में से कुल 11 विवि के प्रतिभागियों ने भाग लिया। पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे।

**विभाजन की त्रासदी और सामाजिक कुरीतियों पर नाट्य प्रस्तुतियां :** विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं। रवींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। आइटीएम विवि ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह के छात्रों ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। संचालन डा. नीरज उपाध्याय ने किया। दो दिवसीय वन-एक्ट नाटकों की यह प्रतियोगिता युवाओं की रचनात्मकता और अभिनय कौशल का बेहतरीन मंच साबित हुई।

### इंटरनेट मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कार्टूनिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसकी थीम इंटरनेट मीडिया का प्रभाव थी। प्रतिभागियों ने सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। विवि के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (पाश्चात्य) की प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम के दौरान बुन्देली के प्रख्यात लोक गायक शिव रतन यादव, हरगोविन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे। अधिकांश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की प्रस्तुति दी। वहीं स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया।

### समूह गीतों व क्विज में पूछे गए ज्ञानवर्धक प्रश्न

गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गीतों की प्रतियोगिता हुई जिसमें प्रतिभागियों ने गीतों के माध्यम से प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुतियां दीं। पाश्चात्य एकल गायन प्रतियोगिता अभिमंच सभागार में आयोजित की गई जिसमें 16 विश्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी। क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, आडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया। इस दौरान परिणाम भी जारी किये गए जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने द्वितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनों टीमों ने राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए क्वालिफाई किया

आचरण
# सागर सिटी
सागर, शुक्रवार 29 नवम्बर, 2024 I 2

**विश्वविद्यालय** सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिवस

# प्रतिभागियों ने दीं भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कलात्मक प्रस्तुतियां

**आचरण संवाददाता**

सागर। डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

## पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने प्रतिभागियों ने किया इंस्टालेशन

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.

## स्पॉट फोटोग्राफी में प्रतिभागियों ने लिए आकर्षक छायाचित्र

स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी. इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे.

## विभाजन की त्रासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक कुरीतियों पर आधारित्त नाट्य प्रस्तुतियां हुईं

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया।

इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के छात्रों ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार, सती प्रथा और विकसित भारत के विषयों को मंच पर प्रस्तुत किया। यह नाटक भारत के विकास और नाटकों की महत्ता पर आधारित था। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ने गिरीश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक 'हयवदन' पर प्रस्तुति दी जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली बोली, संगीत का उपयोग कर प्रस्तुति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया। संचालन डॉ. नीरज उपाध्याय ने किया। दो दिवसीय वन-एक्ट नाटकों की यह प्रतियोगिता युवाओं की रचनात्मकता और अभिनय कौशल का बेहतरीन मंच साबित हुई। दोनों दिनों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का न केवल मनोरंजन किया, बल्कि समाज के विभिन्न मुद्दों पर सोचने को भी विवश किया।

## सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कार्टूनिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देशभर की 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की थीम 'सोशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कार्यों को देखकर निर्णायक मंडल ने भी प्रशंसा की। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और सृजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर रहा है, जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

## देशभक्ति और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित रहीं समूह गान की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (पाश्चात्य) की प्रस्तुतियां संपन्न हुईं. कार्यक्रम के दौरान बुन्देली के प्रख्यात लोक गायक शिव रतन यादव, हरगोविन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे. विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकांश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की प्रस्तुति दी. बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किये गये जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया. कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को लुभाते नजर आए तथा होली के गीतों ने भी ऊर्जा का संचार किया.

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई. नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का आवंटित था. प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया. प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, रिकॉर्डिंग उपकरणों का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित था। निर्णायक मंडल में कथक की प्रख्यात विशेषज्ञ एवं दिल्ली दूरदर्शन की पूर्व कलाकार श्रीमती शालिनी शर्मा, उमा महेश्वरी और जाने-माने कला समीक्षक रूपइंदर पवार थे. यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति की विविधता और शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनी। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

## पाश्चात्य एकल एवं समूह गीतों की हुई आनंददायक प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गीतों की प्रतियोगिता समपन्न हुई. इसमें प्रतिभागियों ने गीतों के माध्यम से प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुतियां दीं. पाश्चात्य एकल गायन प्रतियोगिता अभिमंच सभागार में आयोजित की गई जिसमें 16 विश्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी। नियम के अनुसार प्रत्येक विश्वविद्यालय को 4 से 6 मिनट का समय दिया गया जिसमें 2 मिनट स्टेज सेट करने के लिए समय दिया गया। सभी प्रतिभागीयों ने अंग्रेजी भाषा में अपनी प्रस्तुति दी। प्रख्यात गायक एड शिरीन का पर्फेक्ट, एलि गोल्डिंग का लव मी लाइक यू डु, अडेल का रोलिंग इन द डीप जैसे चर्चित गाने प्रस्तुत किये जिन्हें सुनकर सभी श्रोता झूम उठे। सभी विश्वविद्यालयों के

प्रदर्शनों ने कार्यक्रम में रोमांच का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में केवल प्रतिभागियों को अपनी कला और प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया, बल्कि यह उनके समर्पण और मेहनत को भी प्रदर्शित करने का एक मंच था। मंच संचालन सलोनी शर्मा द्वारा किया गया. निर्णायक मंडल में डैनी शर्मा, राजेश कोटा, रेखा मुखर्जी उपस्थित थे. समन्वयक अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने निर्णायक मंडल को सम्मानित किया।

## क्विज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न

इस क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया। क्विज मास्टर के रूप में,हु से पधारे तकनीकी पर्यवेक्षक श्री दीपक झा ने न केवल प्रतिभागियों से रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे बल्कि दर्शकों के लिए भी प्रश्न रखकर उन्हें प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से जोड़े रखा। उनकी प्रस्तुति ने प्रतियोगिता को शुरुआत से अंत तक मनोरंजक बनाए रखा। परिणाम भी जारी किये गए जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने द्वितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनों टीमों ने राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए क्वालिफाई किया।

## 29 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम

गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक/आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा। अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित है. आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलाज तथा सायं 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

---

# विश्वविद्यालय: सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर-गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी

विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना,आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था। प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी। इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे।

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था,पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। थीम सोशल मीडिया विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कार्यों को देखकर निर्णायक मंडल ने भी प्रशंसा की। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और सृजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर रहा है। जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा है। विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (पाश्चात्य) की प्रस्तुतियां संपन्न हुईं। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई। नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का आवंटित था। प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया। विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गीतों की प्रतियोगिता समपन्न हुई। इसमें प्रतिभागियों ने गीतों के माध्यम से प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुतियां दीं। पाश्चात्य एकल गायन प्रतियोगिता अभिमंच सभागार में आयोजित की गई। जिसमें 16 विश्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी। क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया।

# विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं

## सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

सागर(एसबीन्यूज)। मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने

का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.

## स्पॉट फोटोग्राफी में प्रतिभागियों ने लिए आकर्षक छायाचित्र

स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी। इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे।

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया।

## सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कार्टूनिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देशभर की 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की थीम 'सोशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

## प्रतिभागियों ने दीं भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कलात्मक प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई. नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का आवंटित था. प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया. प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, रिकॉर्डिंग उपकरणों का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित था। निर्णायक मंडल में कथक की प्रख्यात विशेषज्ञ एवं दिल्ली दूरदर्शन की पूर्व कलाकार श्रीमती शालिनी शर्मा, उमा महेश्वरा और जाने-माने कला समीक्षक रूपइंदर पवार थे. यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति की विविधता और शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनी। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

## क्विज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न

इस क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया।

## 29 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिताएं कार्यक्रम

गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक/आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा। अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित है. आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलाज तथा सायं 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

www.vijaymat.com
भोपाल, शुक्रवार, 29 नवम्बर 2024



# सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

विजय मत, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं. विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी. इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं. रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया।

## तीसरे दिन स्पॉट फोटोग्राफी, नाटक, कार्टूनिंग व गायन प्रतियोगिताएं हुई

# पुरानी चीजों से बनाए डेकोरेशन आइटम, कार्टून में बताया 'सोशल मीडिया का प्रभाव'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**सागर.** डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के तीसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का संदेश दे रहे थे।

प्रतिभागियों ने पुरानी चीजों से गार्डन को सजाने के लिए डेकोरेशन आइटम बनाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया के प्रभाव पर कार्टूनिंग प्रतियोगिता में देशभर के 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्टून के माध्यम से प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

### धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा

तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुई। रवींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया।

### आज की प्रतियोगिताएं

- गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा एवं दोपहर 3 बजे लोक आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा।
- अभिमंच सभागार में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।
- स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम एवं शाम 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित है।
- आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलॉज एवं शाम 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

### देशभक्ति और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित समूह गान की हुई प्रस्तुति

विवि के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (पाश्चात्य) की प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम के दौरान बुंदेली के प्रख्यात लोक गायक शिव रतन यादव, हरगोविंद सिंह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकांश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की प्रस्तुति दी। बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किए गए, जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया। कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को लुभाते नजर आए, होली गीतों ने भी ऊर्जा का संचार किया।

---

▶ 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

# सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर विवि में युवा उत्सव का तीसरा दिन

● सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। युवा उत्सव के तीसरे दिन विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में 14 विश्वविद्यालयों के कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था। प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी। इस प्रतियोगिता में कुल 11 वियवविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पारदर्शिता के लिए प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं। रवींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। आईटीएम विवि, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विवि वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया। विक्रम विवि, उज्जैन के छात्रों ने वसुधैव कुटुंबकम के विचार, सती प्रथा और विकसित भारत के विषयों को प्रस्तुत किया। यह नाटक भारत के विकास और नाटकों की महत्ता पर आधारित था। डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर ने गिरिश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक हयवदन पर प्रस्तुति दी जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली बोली संगीत का उपयोग कर प्रस्तुति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया।

**युवा उत्सव** • कल होगा समापन, 23 विश्वविद्यालयों के 955 विद्यार्थी ले रहे हैं हिस्सा

# नाटक से दिखाई विभाजन की त्रासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक कुरीतियों पर आधारित प्रस्तुतियां भी हुईं

**भास्कर संवाददाता** | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के तीसरे दिन आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता हुई। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों ने ऐसे प्रोडक्ट बनाए जो पर्यावरण को बचाने का संदेश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में 14 विश्वविद्यालयों के 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वर्ण जयंती सभागार में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ने गिरिश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक 'हयवदन' पर प्रस्तुति दी। जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली बोली, संगीत का उपयोग कर प्रस्तुति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया।

## सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में हुई कार्टूनिंग प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। थीम 'सोशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कार्यों को देखकर निर्णायक मंडल ने भी प्रशंसा की। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और सृजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर रहा है, जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

## देशभक्ति और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित रहीं समूह गान की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह गान भारतीय एवं समूह गान पाश्चात्य की प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम के दौरान बुंदेली के प्रख्यात लोक गायक शिवरतन यादव, हरगोविन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत मौजूद थे। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकांश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की प्रस्तुति दी। बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किये गये जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया। कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को लुभाते नजर आए तथा होली के गीतों ने भी ऊर्जा का संचार किया। स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया।

**क्विज में पूछे गए रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न :** इस क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों-पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया। क्विज मास्टर के रूप में एआईयू से तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा ने न केवल प्रतिभागियों से रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे बल्कि दर्शकों के लिए भी प्रश्न रखकर उन्हें प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से जोड़े रखा। परिणाम भी जारी किये गए। जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने द्वितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

### आज यह प्रतियोगिताएं होंगी

• गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक, आदिवासी नृत्य होगा। • अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र एकल प्रतियोगिता होगी। • स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता होंगी। • आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलॉज तथा शाम 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

# युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने दी विभिन्न प्रस्तुतियां

**नवभारत न्यूज**

**सागर 28 नवम्बर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में तीसरे दिन विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं.**

स्वर्ण जयंती सभागार में सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं. रवींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विवि ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया. अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा ने गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को उजागर किया.

आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी मांगी गई जिसमें 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया.

### आज यह प्रतियोगिताएं

गौर प्रांगण में 29 नवम्बर फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा. अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिताएं होंगी.

# विविः सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विवि संघ (एआईयू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विवि रायसेन, बरकतुल्लाह विवि, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विवि, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि, आगरा, विक्रम विवि, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विवि एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विवि, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विवि, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विवि, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विवि, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विवि, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विवि, लखनऊ, ए.के.एस. विवि, सतना, एकलव्य विवि, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विवि, मेरठ, बनारस हिंदू विवि, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विवि, खंडवा विवि के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

### पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने प्रतिभागियों ने किया इंस्टालेशन

विवि के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विवि सतना, आईटीएम विवि, डॉ हरीसिंह गौर विवि, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि भोपाल, जागरण लेकसिटी विवि सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

### पाश्चात्य एकल एवं समूह गीतों की हुई आनंददायक प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गीतों की प्रतियोगिता सम्पन्न हुई इसमें प्रतिभागियों ने गीतों के माध्यम से प्रेम, क्रिसमस और प्रेरणादायी गीतों की प्रस्तुतियां दीं. पाश्चात्य एकल गायन प्रतियोगिता अभिमंच सभागार में आयोजित की गई जिसमें 16 विश्वविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी। नियम के अनुसार प्रत्येक विश्वविद्यालय को 4 से 6 मिनट का समय दिया गया जिसमें 2 मिनट स्टेज सेट करने के लिए समय दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में अपनी प्रस्तुति दी। प्रख्यात गायक एड शिरीन का पर्फेक्ट, एलि गोल्डिंग का लव मी लाइक यू डू, अडेल का रोलिंग इन द डीप जैसे चर्चित गाने प्रस्तुत किये जिन्हें सुनकर सभी श्रोता झूम उठे। सभी विश्वविद्यालयों के प्रदर्शनों ने कार्यक्रम में रोमांच का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में केवल प्रतिभागियों को अपनी कला और प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया, बल्कि यह उनके समर्पण और मेहनत को भी प्रदर्शित करने का एक मंच था। मंच संचालन सलोनी शर्मा द्वारा किया गया. निर्णायक मंडल में हैनी शर्मा, राजेश कोटा, रेखा मुखर्जी उपस्थित थे समन्वयक अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने निर्णायक मंडल को सम्मानित किया।

### स्पॉट फोटोग्राफी में प्रतिभागियों ने लिए आकर्षक छायाचित्र

स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी।इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे।

### विभाजन की त्रासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक कुरीतियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां हुईं

विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं।रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के छात्रों ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार, सती प्रथा और विकसित भारत के विषयों को मंच पर प्रस्तुत किया।

### क्विज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न

इस क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया। क्विज मास्टर के रूप में,बु से पधारे तकनीकी पर्यवेक्षक श्री दीपक झा ने न केवल प्रतिभागियों से रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे बल्कि दर्शकों के लिए भी प्रश्न रखकर उन्हें प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से जोड़े रखा। उनकी प्रस्तुति ने प्रतियोगिता को शुरुआत से अंत तक मनोरंजक बनाए रखा। परिणाम भी जारी किये गए जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने द्वितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन तीनों टीमों ने राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए क्वालिफाई किया।

**29 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिताएं कार्यक्रम:** गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक/आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा। अभिमंच सभागार में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित है. आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेंहदी, दोपहर 1 बजे से कोलाज तथा सायं 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

### प्रतिभागियों ने दी भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कलात्मक प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई. नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का आवंटित था. प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया. प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, रिकॉर्डिंग उपकरणों का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित था। निर्णायक मंडल में कथक की प्रख्यात विशेषज्ञ एवं दिल्ली दूरदर्शन की पूर्व कलाकार श्रीमती शालिनी शर्मा, उमा महेश्वरी और जाने-माने कला समीक्षक रूपइंदर पवार थे. यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति की विविधता और शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनी।

---

www.vijaymat.com
भोपाल, शनिवार, 30 नवम्बर 2024



# लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन में प्रतिभागियों ने दी अभिव्यक्ति

विजय मत, सागर

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा आदि हैं। विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की. धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की

गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया। विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले. विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलाॅज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से कोई सुसज्जित पोर्टेट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया. नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया. निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे. बदलते मानवीय संबंध, लैंगिक भेदभाव, अपराध और भ्रष्टाचार विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कई छात्र मौजूद थे।

---

# सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

**सागर, देशबन्धु।** डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती के अवसर पर आयोजित गौर गौरव युवा उत्सव का तीसरा दिन सृजनात्मकता, कला और संस्कृति के प्रदर्शन का प्रतीक रहा। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में देशभर के 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक अनूठी इंस्टालेशन प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतिभागियों ने वेस्ट मैटेरियल से पर्यावरण बचाने के संदेश देने वाले उत्पाद तैयार किये। इसमें 14 विश्वविद्यालयों के 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी और आईटीएम यूनिवर्सिटी प्रमुख रहे। युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की छायाचित्रण पर आधारित स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को अपनी कलात्मकता दिखाने का मंच प्रदान किया। 11 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने पांच-पांच फोटोग्राफ्स के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्वर्ण जयंती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं, जिनमें सामाजिक मुद्दों, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और विभाजन की त्रासदी जैसे विषयों को छुआ गया। आईटीएम यूनिवर्सिटी ने जातिवाद और पक्षपात जैसे मुद्दों पर प्रहार किया। बीएचयू वाराणसी ने विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से जीवंत किया। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने गिरिश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक हयवदन को बुंदेलखंडी रंग में प्रस्तुत किया।

### सोशल मीडिया पर कार्टूनिंग प्रतियोगिता

23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर कार्टूनिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को रचनात्मक रूप से दर्शाया। स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी और कुचिपुड़ी जैसी नृत्य शैलियों का प्रदर्शन हुआ। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

### पाश्चात्य संगीत की धुनों पर झूमे दर्शक

गौर प्रांगण में पाश्चात्य समूह गीतों और अभिमंच सभागार में एकल गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने एड शीरन, अडेल और एलि गोल्डिंग के लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किये, जिससे दर्शक झूम उठे। क्विज प्रतियोगिता के दौरान तीन प्रारूपों पाठ्य, ऑडियो, विजुअल में प्रश्न पूछे गये। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने प्रथम स्थान हासिल कर राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिये क्वालिफाई किया। आज फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक आदिवासी नृत्य, पश्चिमी वाद्य यंत्र, स्किट, माइम और मिमिक्री जैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजित होंगे। रंगोली, मेहंदी और कोलाज प्रतियोगितायें भी होंगी। यह उत्सव न केवल प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि भारतीय संस्कृति और सृजनात्मकता को भी बढ़ावा दे रहा है।

आचरण

सागर सिटी

सागर, शनिवार 30 नवम्बर , 2024 | 2

आयोजन | विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी,आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई

# लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

सागर,आचरण। विवि में आयोजित युवा उत्सव के दौरान सागर के वरिष्ठ फोटोग्राफर गोविंद सरवैया का सम्मान किया गया।

आचरण संवाददाता

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

## गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की. धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया।

## नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले.

## कतरनों से बनाए आकर्षक कोलॉज

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से कोई सुसज्जित पोर्टेट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया. नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया. निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे.। बदलते मानवीय संबंध, लैंगिक भेदभाव, अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को रेखांकित किया । विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। जागरण लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, माँ की ममता और स्नेह, जंगल की सियासत और राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के ढुलमुल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा. निर्णायक मंडल में मोहन कांत, राजीव राठौर और श्रीदयाल थे. कार्यक्रम में विवि के पूर्व छात्र हरीश दुबे (पुलिस अधिकारी) और सचिन नायक (टीवी विज्ञापन अभिनेता) भी सम्मिलित हुए। सभी का सम्मान डॉ. अल्ताफ मुलानी द्वारा किया गया।

## प्रतिभागियों ने हाथों में रचीं डिजाइनदार मेहंदी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हाथों में मेहंदी लगाई. प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया.

## मूक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फ हाव-भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों के जरिए प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष रूप से रोमांचक और यादगार बना। बिना शब्दों के, केवल शरीर की भाषा और चेहरे के उतार-चढ़ाव के जरिए छात्रों ने सामाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया। इस प्रतियोगिता में 13 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की.

## केसरिया बालम पधारो म्हारे देश.........लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां दीं. लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था जिसमें किसी इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यन्त्र का प्रयोग वर्जित था. प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था. इन प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी सहित कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं।

इन प्रस्तुतियों के समय दौरान शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं उनके परिवार भी उपस्थित रहे. इस प्रतियोगिता में पूर्व विधायक श्रीमती पारुल साहू अतिथि के रूप में पधारीं जिनका शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया. इस अवसर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा उत्सव युवाओं की रचनात्मक और सृजनात्मक गतिविधियों में सम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराता है. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के लिए इतना बड़ा दान दिया जिससे आज यह विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित है. मैं एक ऐसे महान पुरुष को भारत रत्न दिए जाने की अपील करती हूँ और समाज से आव्हान करती हूं कि ऐसे महान दानवीर, शिक्षाविद और समाज सुधारक को भारत रत्न दिलाने की मुहिम में शामिल हों। 30 नवम्बर को विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण युवा उत्सव का समापन समारोह आयोजित है। जिसमें सभी विधाओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार, मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किये जायेंगे।

# अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में दिखी भारतीय सांस्कृतिक की झलक

## केसरिया बालम पधारो..ने बांधा समां, लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी शानदार प्रस्तुति

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : दानवीर डा. सर हरीसिंह गौर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में शुक्रवार को प्रतिभागियों ने रंगारंग प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने मजबूर कर दिया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। विवि के गौर प्रांगण में फोक आर्केस्ट्रा प्रतियोगिता की गई। फोक आर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में विविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली। भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले। विवि के आचार्य शंकर भवन में कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से सुसज्जित पोर्ट्रेट बनानी थी। राजा मान सिंह तोमर विवि ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया। नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विवि ने समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया। निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डा. सृष्टि शास्त्री, डा. प्रीत कोहली उपस्थित रहे।

सागर। युवा उत्सव के दौरान नृत्य की प्रस्तुति देती हुई छात्राएं। • नवदुनिया

**लैंगिक भेदभाव जैसे कई मुद्दों को रेखांकित किया :**

विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विवि ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। बरकतुल्ला विवि ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, माँ की ममता और स्नेह, जंगल की सियासत और राजनैतिक हथकंडे इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा। विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हाथों में मेहंदी लगाई। इस प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का प्रदर्शन देखने को मिला।

सागर। नाटक के माध्यम से प्रतिभागियों ने कई विषयों पर जागरुक किया। • नवदुनिया

### लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

विवि के गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां दी। लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था जिसमें किसी इलेक्ट्रानिक वाद्य यन्त्र का प्रयोग वर्जित था। प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था। इन प्रस्तुतियों मे राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी सहित कई लोक परंपराओं मे समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। प्रतियोगिता में पूर्व विधायक पारुल साहू अतिथि के रूप मे पधारी जिनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि युवा उत्सव युवाओं की रचनात्मक और सृजनात्मक गतिविधियों मे सम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराता है। उन्होने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के लिए इतना बड़ा दान दिया जिससे आज यह विश्वविद्यालयं के रूप मे स्थापित है। मै एक ऐसे महान पुरुष को भारत रत्न दिए जाने की अपील करती हूं।

दैनिक सागर दिनकर
www.sagardinkar.com
सागर। शनिवार। 30.11.2024

# लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

सागर दिनकर

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विवि रायसेन, बरकतुल्लाह विवि, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विवि, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि, आगरा,विक्रम विवि, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विवि एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विवि, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विवि, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विवि, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विवि, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विवि, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विवि, लखनऊ, ए.के.एस. विवि, सतना, एकलव्य विवि, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विवि, मेरठ, बनारस हिंदू विवि, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विवि, खंडवा विवि के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

## गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया।

## नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है। इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली। भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले।

कतरनों से बनाए आकर्षक कोलॉज

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया। जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से कोई सुसज्जित पोर्टेट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया। नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया। निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे।

## अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को रेखांकित किया

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। जागरण लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय

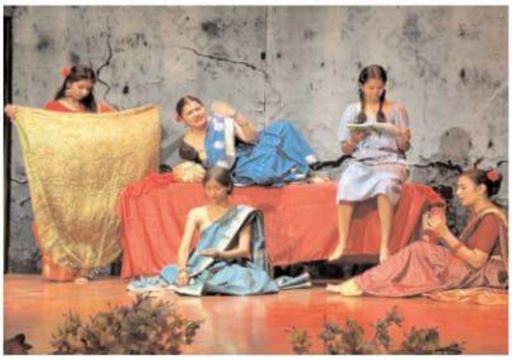

सम्बन्ध, माँ की ममता और स्नेह, जंगल की सियासत और राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के ढुलमुल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा. निर्णायक मंडल में मोहन कांत, राजीव राठौर और श्रीदयाल थे। कार्यक्रम में विवि के पूर्व छात्र हरीश दुबे (पुलिस अधिकारी) और सचिन नायक (टीवी विज्ञापन अभिनेता) भी सम्मिलित हुए। सभी का सम्मान डॉ. अल्ताफ मुलानी द्वारा किया गया।

## प्रतिभागियों ने हाथों में रचीं डिजाइनदार मेहंदी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हाथों में मेहंदी लगाई. प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। मूक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फ हाव-भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों के जरिए प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष रूप से रोमांचक और यादगार बना। बिना शब्दों के, केवल शरीर की भाषा और चेहरे के उतार-चढ़ाव के जरिए छात्रों ने समाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया।

SOCIETY
सोसायटी 02
पत्रिका
सागर, शनिवार, 30 नवंबर 2024

केसरिया बालम पधारो म्हारे देश...लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

# स्किट में दिखा इंस्टाग्राम रील्स बनाने व देखने वालों पर व्यंग्य, एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. हरिसिंह गौर विवि में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के चौथे दिन शुक्रवार स्वर्ण जयंती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग्य किया।

लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों

पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, मां की ममता, राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के ढुलमुल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा।

## गिटार व ड्रम्स पर दीं धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कला का जादू बिखेरा। वहीं गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है। जिसमें डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ने बुंदेलखंड की लोक धुन वाद्ययंत्र नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली।

## कतरनों से बनाए आकर्षक कोलाज

आचार्य शंकर भवन में कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय दिया गया। जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और खराब कागज से कोई सुसज्जित पोट्रेट बनानी थी। राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया। नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया। निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे। वहीं आचार्य

शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया।

## लोकनृत्यों की प्रस्तुति

गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां हुईं। लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था, जिसमें किसी इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्र का प्रयोग वर्जित था। प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था। इन प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी सहित कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।केसरिया बालम पधारो म्हारे देश... जैसी प्रस्तुति से तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा।

## प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने की प्रतिभागिता

# लोक नृत्य प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

● सागर / आरएनएन

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक और महान दानवीर डॉ सर हरिसिंह गौर के 155वें जन्म दिन के मौके पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में सागर में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का आयोजन किया गया है। इस युवा उत्सव में प्रदेश समेत अन्य राज्यों के विश्वविद्यालयों से आए कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। युवा उत्सव के चौथे दिन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल सोलो प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली। आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से पोर्ट्रेट बनाई।

स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुई जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने हाथों में आकर्षक डिजायन बनाकर मेहंदी लगाई। इस प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फहाव भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों के जरिए प्रस्तुत किया। छात्रों ने समाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया। इस प्रतियोगिता में 13 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगड़ी सहित कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं। 30 नवम्बर को विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण युवा उत्सव का समापन समारोह आयोजित है जिसमें सभी विधाओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार, मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किये जाएंगे।

# अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव में छात्र-छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत कर दिखाए अलग-अलग रंग

सागर। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव में गुजराती, मराठी व प्रदेश के नृत्य छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किए।

# युवा उत्सव में नाटक से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

### विश्वविद्यालयः लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

सागर(एसबीन्यूज)। मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

### गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की. धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया।

### नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले.

### कतरनों से बनाए आकर्षक कोलॉज

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से कोई सुसज्जित पोर्टेट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया. नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया. निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुई जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी. एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया।

### प्रतिभागियों ने हाथों में रचीं डिजाइनदार मेहंदी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हाथों में मेहंदी लगाई. प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया.

मूक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फ हाव-भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों के जरिए प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष रूप से रोमांचक और यादगार बना। बिना शब्दों के, केवल शरीर की भाषा और चेहरे के उतार-चढ़ाव के जरिए छात्रों ने समाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया। इस प्रतियोगिता में 13 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की.

### केसरिया बालम पधारो म्हारे देश.........लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां दीं. लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था जिसमें किसी इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यन्त्र का प्रयोग वर्जित था. प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था. इन प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी सहित कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं।

इन प्रस्तुतियों के समय दौरान शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं उनके परिवार भी उपस्थित रहे. इस प्रतियोगिता में पुर्व विधायक श्रीमती पारुल साहू अतिथि के रूप में पधारीं जिनका शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया. इस अवसर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा उत्सव युवाओं की रचनात्मक और सृजनात्मक गतिविधियों में सम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराता है. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के लिए इतना बड़ा दान दिया जिससे आज यह विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित है. मैं एक ऐसे महान पुरुष को भारत रत्न दिए जाने की अपील करती हूँ और समाज से आवाह करती हूँ कि ऐसे महान दानवीर, शिक्षाविद और समाज सुधारक को भारत रत्न दिलाने की मुहिम में शामिल हों.

30 नवम्बर को विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण युवा उत्सव का समापन समारोह आयोजित है जिसमें सभी विधाओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार, मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किये जायेंगे।

# लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्व विद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरव श्विविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर-गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्व विद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा,देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्व विद्यालय, आगरा, विक्रम विश्व विद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतर पुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबल पुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा,जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्व विद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्व विद्यालय, सतना, एकलव्य विश्व विद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्व विद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्व विद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्व विद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया। गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया।

फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले।

दैनिक जन चिंगारी    सागर/आस पास    भोपाल, शनिवार, 30 नवम्बर, 2024    03

# लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

जनचिंगारी-9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं.

**गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां :** विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की. धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूंज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया।

**नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां :** विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली. भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले.

# विवि : प्रहसन से उभारे ज्वलंत और सार्थक मुद्दे

जागरण, सागर। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। जागरण लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियानए महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, मां की ममता और स्नेह आदि को रेखांकित किया।

# गौर गौरव उत्सवः लोक कला, संस्कृति और रचनात्मकता का अद्भुत संगम

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय युवा उत्सव 2024-25 गौर गौरव उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. हरीसिंह गौर के 155 वें जन्मदिवस पर आयोजित यह उत्सव 26 से 30 नवंबर तक आयोजित हो रहा है, जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

अभिमंच सभागार में आयोजित वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल सोलो प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने गिटार, पैड और ड्रम्स पर पाश्चात्य धुनों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। धुनों और लयब प्रदर्शन ने सभागार में तालियों की गूंज के साथ एक संगीतमय माहौल बना दिया। वहीं फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता में नगाड़ा, बांसुरी और तबला जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से लोक संगीत की जीवंत प्रस्तुति दी गई।

गौर प्रांगण में आयोजित समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में राजस्थानी, बुंदेली और छत्तीसगढ़ी लोक परंपराओं के नृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वर्ण जयंती सभागार में मूक अभिनय प्रतियोगिता के जरिये छात्रों ने सामाजिक मुद्दों और मानवीय भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। आचार्य शंकर भवन में आयोजित कोलाँज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अखबार की कतरनों से आकर्षक चित्र बनाये। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दुल्हन मेहंदी के थीम पर खूबसूरत डिजाइन तैयार किये। स्किट प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भ्रष्टाचार, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों पर हास्य व्यंग्य के माध्यम से संदेश दिया। आज समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किये जायेंगे।

इस अवसर पर अतिथि वक्ताओं ने डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिये जाने की अपील करते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया। गौर गौरव उत्सव भारतीय संस्कृति, कला और युवाओं की रचनात्मकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

### कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे- न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

# मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें : कुलपति

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया. युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश श्री गंगाचरण दुबे थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की।अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे. प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये. उन्होंने कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए, सदैव कर्मशील रहिये. कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे. उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है. तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है. उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए, अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती हैं. अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए।गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है. उन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्बोधन दिया जिसे विद्यार्थियों के बीच काफी सराहा गया।

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी. लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरुप में संभव हो पाया।क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं. उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है. प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है. मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है. हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आपके कदम चूमेगी। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला. थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है. साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा। युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्युशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज़, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

## ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली. अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी प्रदान की गई. प्रतियोगिता के अन्य परिणाम इस प्रकार हैं।संगीत श्रेणी में ओवर ऑल विजेता-देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कृष्णगोपाल श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विट्ठल भाई पटेल ट्रॉफी तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर को शरद तात्या ट्रॉफी प्रदान की गयी। इस श्रेणी के क्लासिकल वोकल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ द्वितीय, आईटीएम ग्वालियर तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (पर्कशन) में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) में भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, बीएचयू वाराणसी तृतीय, लाइट वोकल (इंडियन) में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, आईटीएम ग्वालियर द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर तृतीय, वेस्टर्न वोकल सोलो में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (इंडियन) में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग में दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, फोक ऑर्केस्ट्रा में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय स्थान पर रहे।

## नाट्य श्रेणी (थिएटर) में ओवरऑल विजेता

डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर को श्यामकांत मिश्र ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनेशभाई पटेल ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेएस विवि सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की गई।इस श्रेणी के वन-एक्ट प्लेमें राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर प्रथम, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, स्किट में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, माइम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन तृतीय, मिमिक्री में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय और बीएचयू वाराणसी तृतीय स्थान पर रहे।

फाइन आर्ट्स श्रेणी में ओवर ऑल विजेता-बीएचयू वाराणसी को शिव कुमार श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरठ एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को विवेक दत्त झा ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व् राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि को विवेक दत्त झा ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के ऑन द स्पॉट पेंटिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय, कोलाज में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, पोस्टर मेकिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर तृतीय, क्ले मॉडलिंग में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन प्रथम, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, कार्टूनिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय तृतीय, रंगोली में भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वितीय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ तृतीय, स्पॉट फोटोग्राफी में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय, इंस्टॉलेशन में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय, मेहंदी में बीएचयू वाराणसी प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय और ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना तृतीय स्थान पर रहे।

### नृत्य श्रेणी में ओवर ऑल विजेता

देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाठक ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप एकेएस विश्वविद्यालय सतना को प्रेम गुरुजी ट्रॉफी और सेकंड रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को छुन्नीलाल रैकवार ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के फोक/ट्राइबल डांस में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर तृतीय, क्लासिकल डांस में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह द्वितीय, भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ तृतीय स्थानों पर रहे.

### साहित्यिक विधा में ओवरऑल विजेता

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को कामता प्रसाद गुरु ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को सहोद्रा राय ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के क्विज में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, बीएचयू वाराणसी द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, भाषण प्रतियोगिता में बीएचयू वाराणसी प्रथम, आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, वाद-विवाद (डिबेट) में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय तथा आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय स्थान पर रहे।

# डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में गौर गौरव उत्सव का भव्य समापन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान शिक्षाविद् डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 वें जन्म दिवस पर गौर गौरव उत्सव का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। 26 से 30 नवंबर तक आयोजित इस मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के 955 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की।

मंच पर एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय और छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों को लक्ष्य तय करने और कठिन परिश्रम के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा जीवन में सफलता का मूलमंत्र है। सकारात्मक सोच और अच्छे विचारों से व्यक्तित्व और राष्ट्र का निर्माण होता है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन डॉ. गौर की प्रेरणा से संभव हो पाया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी।

## डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की शानदार उपलब्धियां

इस युवा उत्सव में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक रैली, फोक ऑर्केस्ट्रा और स्किट में प्रथम स्थान हासिल किया। थियेटर विधा में ओवरऑल विजेता का खिताब भी विश्वविद्यालय के नाम रहा। ओवरऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा।

### प्रतियोगिता के मुख्य परिणाम

**संगीत श्रेणी:** देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को ओवरऑल विजेता घोषित किया गया। **नृत्य श्रेणी:** ओवरऑल विजेता का खिताब भी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर ने जीता। **थियेटर श्रेणी:** डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ओवरऑल विजेता रहा। **फाइन आर्ट्स श्रेणी:** बीएचयू वाराणसी को ओवरऑल विजेता घोषित किया गया।

### अतिथियों ने की आयोजन की सराहना

समारोह के दौरान प्रतिभागियों और दल प्रबंधकों ने आयोजकों के उत्कृष्ट प्रबंधन और सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एसपी उपाध्याय ने दिया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ और गौर गौरव उत्सव विद्यार्थियों और दर्शकों के लिये एक प्रेरक और यादगार अनुभव बन गया।

**आयोजन ।** मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपति

# कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश दुबे

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया. युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे. प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये. उन्होंने कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए, सदैव कर्मशील रहिये. कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे. उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है. तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है. उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए, अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती है. अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए, गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है. उन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्बोधन दिया जिसे विद्यार्थियों के बीच काफी सराहा गया। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी. लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरूप में संभव हो पाया. क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं. उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव. इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है. प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है. मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है. हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आपके कदम चूमेगी. सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल थियेटर में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्स्ट रनर अप डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला. थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है. साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा.युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य भारतीय, समूह नृत्य पाश्चात्य, फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल पर्क्यूशन, शास्त्रीय वादन एकल गैर-पर्क्यूशन, क्लासिकल वोकल सोलो हिंदुस्तानी या कर्नाटक, वेस्टर्न वोकल सोलो, लाइट वोकल सोलो, पश्चिमी वाद्य यंत्र एकल, एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

## ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली. अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी प्रदान की गई. प्रतियोगिता के अन्य परिणाम इस प्रकार हैं। संगीत श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कृष्णगोपाल श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विट्ठल भाई पटेल ट्रॉफी तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर को शरद तात्या ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के क्लासिकल वोकल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ द्वितीय, आईटीएम ग्वालियर तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो पर्कशन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो नॉन-पर्कशन में भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, बीएचयू वाराणसी तृतीय, लाइट वोकल इंडियन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, आईटीएम ग्वालियर द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर तृतीय, वेस्टर्न वोकल सोलो में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (इंडियन) में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग वेस्टर्न में दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, फोक ऑर्केस्ट्रा में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय स्थान पर रहे।

नृत्य श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाठक ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप एकेएस विश्वविद्यालय सतना को प्रेम गुरुजी ट्रॉफी और सेकंड रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को चुन्नीलाल रैकवार ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के फोक/ट्राइबल डांस में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर तृतीय, क्लासिकल डांस में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह द्वितीय, भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ तृतीय स्थानों पर रहे।

साहित्यिक विधा में ओवरऑल विजेता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को कामता प्रसाद गुरु ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को सहोद्रा राय ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के क्विज में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, बीएचयू वाराणसी द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, भाषण प्रतियोगिता (एलोक्यूशन) में बीएचयू वाराणसी प्रथम, आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, वाद-विवाद (डिबेट) में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय तथा आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय स्थान पर रहे।

नाट्य श्रेणी (थिएटर) में ओवरऑल विजेता डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर को श्यामकांत मिश्र ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनेशभाई पटेल ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेएस विवि सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के वन-एक्ट प्ले में राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर प्रथम, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, स्किट में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, माइम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन तृतीय, मिमिक्री में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय और बीएचयू वाराणसी तृतीय स्थान पर रहे। फाइन आर्ट्स श्रेणी में ओवर ऑल विजेता बीएचयू वाराणसी को शिव कुमार श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरठ एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को विवेक दत्त झा ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व् राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि को विवेक दत्त झा ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के ऑन द स्पॉट पेंटिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय, कोलाज में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, पोस्टर मेकिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर तृतीय, क्ले मॉडलिंग में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन प्रथम, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, कार्टूनिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय तृतीय, रंगोली में भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वितीय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ तृतीय, स्पॉट फोटोग्राफी में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय, इंस्टॉलेशन में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय, मेहंदी में बीएचयू वाराणसी प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय और ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना तृतीय स्थान पर रहे। सांस्कृतिक रैली में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर प्रथम स्थान पर रहा. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वितीय और जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय स्थान पर रहे।

## दल प्रबंधकों और छात्र प्रतिनिधियों ने दिया फीडबैक

एकेएस विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधियों और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के दल प्रबंधकों ने फीडबैक प्रस्तुत किया। इन सभी ने आयोजक विश्वविद्यालय की मेजबानी, स्वागत, सत्कार, भोजन, आवास, तकनीकी सहयोग एवं अन्य सभी तरह के सहयोग के लिए आभार जताया. एकेएस विवि सतना के दल ने बरेधी नृत्य और डॉ. हरीसिंह गौर विवि के दल ने फोक आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया. राष्ट्र गान के साथ समारोह का समापन हुआ।

# मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपति

**कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश गंगाचरण दुबे**

सागर दिनकर

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे। प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए, जी तोड़ श्रम करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये।

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी। लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरुप में संभव हो पाया। क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव। इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है। हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है। ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है।

सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्स्ट रनर अप डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला। थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है। साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा।

युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

# मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें : कुलपति

### कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंग : न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

सागर। मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश श्री गंगाचरण दुबे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे. प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये. उन्होंने कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। सदैव कर्मशील रहिये, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे. उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है। तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है. उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए. अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती हैं. अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए. गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है. उन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्बोधन दिया जिसे विद्यार्थियों के बीच काफी सराहा गया।

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी. लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरुप में संभव हो पाया. क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं. उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव. इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है।

युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया। राष्ट्र गान के साथ समारोह का समापन हुआ।

दैनिक भास्कर



**अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का समापन** • 23 विश्वविद्यालयों के 955 प्रतिभागियों ने लिया भाग, विजेता हुए पुरस्कृत

# दूरदृष्टि और पक्का इरादा है व कड़ी मेहनत कर रहे हैं तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर | अंतर विश्वविद्यालीयन युवा उत्सव के समापन अवसर पर अतिथियों के साथ फोटो खिंचाते विद्यार्थी।

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली व विश्वविद्यालय ने मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' कराया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा मंचासीन रहे। प्रो. एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ देते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र बताए। कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। सदैव कर्मशील रहिए। कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे। उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है। तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है। उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए। अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती है। अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती है। यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं। जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी, लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरूप में संभव हो पाया, क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव, इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है। हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है। ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है। सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आपके कदम चूमेगी।

**सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन :** डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला। थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है। साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा। युवा उत्सव के दौरान पांच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्किस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं कराई गईं। युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली। अतिथियों ने उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी दी।

दल प्रबंधकों और छात्र प्रतिनिधियों ने दिया फीडबैक एकेएस विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधियों और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के दल प्रबंधकों ने फीडबैक प्रस्तुत किया। इन सभी ने आयोजक विश्वविद्यालय की मेजबानी, स्वागत, सत्कार, भोजन, आवास, तकनीकी सहयोग एवं अन्य सभी तरह के सहयोग के लिए आभार जताया। एकेएस विवि सतना के दल ने बरेदी नृत्य और डॉ. हरीसिंह गौर विवि के दल ने फोक आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया। राष्ट्र गान के साथ समारोह का समापन हुआ।

**युवा उत्सव संपन्न** | **38वें मध्य क्षेत्र युवा उत्सव में एक हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए**

# जीवन में हार-जीत लगी रहती, अपना प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश

**नवभारत न्यूज**

**सागर 1 दिसंबर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का समापन हुआ.**

समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे थे. अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय मंचासीन थे. प्रो. एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए.

कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा कि जीवन में हार-जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है. मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है. हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें. सफलता आपके कदम चूमेगी. सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्स्ट रनर अप डॉ. गौर विश्वविद्यालय को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला. थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है. साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा. युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य, समूह नृत्य, फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल, शास्त्रीय वादन एकल, क्लासिकल वोकल सोलो, वेस्टर्न वोकल, लाइट वोकल, पश्चिमी वाद्य यंत्र, एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं.

---

**रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवरऑल (थियेटर) में डॉ. हरिसिंह गौर विवि नंबर वन**

# सदैव कर्मशील, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि व पक्के इरादे से ही मिलेगी सफलता

## ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विवि को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**सागर.** जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए श्रम करना चाहिए। संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं, इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। सदैव कर्मशील रहिए, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे। यह बात मुख्य अतिथि मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे ने कही। मौका था डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के समापन का। उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है। तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है। उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए। अच्छे विचारों से जिंदगी बदलती है। अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं। जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस दौरान एआइयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा मंचासीन थे।

### इन ट्रॉफी से नवाजे गए विश्वविद्यालय

- संगीत श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कृष्णगोपाल श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विट्ठल भाई पटेल ट्रॉफी एवं सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर को शरद तात्या ट्रॉफी प्रदान की गई।
- नाट्य श्रेणी (थिएटर) में ओवरऑल विजेता डॉ. हरिसिंह गौर विवि को श्यामकांत मिश्र ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनेशभाई पटेल ट्रॉफी, सेकंड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेएस विवि सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की।
- फाइन आर्ट्स श्रेणी में ओवर ऑल विजेता बीएचयू वाराणसी को शिव कुमार श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरठ एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को विवेक दत्त झा ट्रॉफी, सेकंड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि को विवेक दत्त झा ट्रॉफी प्रदान की गई।
- सांस्कृतिक रैली में डॉ. हरिसिंह गौर विवि सागर प्रथम रहा। राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वितीय और जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय स्थान पर रहे।
- नृत्य श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाठक ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप एकेएस विश्वविद्यालय सतना को प्रेम गुरुजी ट्रॉफी और सेकंड रनर अप डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय को चुन्नीलाल रैकवार ट्रॉफी प्रदान की गई।

प्रो. एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। युवा उत्सव में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला। थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है। साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा। युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली। अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी प्रदान की गई।

## सोशल मीडिया लिंक -

https://khabarkaasar.com/2024/11/mp-many-events-will-be-organized-on-gaur-jayanti-and-38th-inter-university-youth-festival-2024-vice-chancellor-prof-neelima-gupta-gave-detailed-information/

https://www.teenbattinews.com/2024/11/38-2024.html?m=0

https://dainik.bhaskar.com/gAKFkow1xOb

https://www.etvbharat.com/hi/!state/sagar-university-hari-singh-gaur-birthday-celebration-bundelkhand-style-gaur-gaurav-utsav-madhya-pradesh-news-mps24111500873

https://mpnews.live/gaur-utsav-many-programs-will-be-organized-in-gaur-utsav-from-26th-to-30th-november-press-conference-was-organized/

https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?nid=350360&y=1

Patrika News - https://www.patrika.com/sagar-news/1500-artists-from-70-universities-will-perform-in-yuva-utsav-bollywoods-leading-artists-will-be-included-19122966

https://www.facebook.com/share/v/1BFVkELwgX/

https://youtu.be/mEONVSGZsi4?si=BX5YrDcK0DN65WtW

https://www.teenbattinews.com/2024/11/blog-post_73.html?m=0

https://youtu.be/zqTbXH8nEDY

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_94.html

https://yashbharat.co.in

https://chat.whatsapp.com/Inq3LBRjN2B1gW1lMKWq1V

https://khabarkaasar.com/2024/11/in-sagar-deputy-chief-minister-shukla-read-the-preamble-while-celebrating-the-amrit-mahotsav-of-the-constitution-on-gaur-gaurav-day/

https://hindi.news18.com/news/madhya-pradesh/sagar-artists-took-to-the-streets-of-sagar-in-royal-style-became-emotional-after-seeing-bundeli-traditions-local18-8861119.html

https://www.teenbattinews.com/2024/11/38.html?m=0

https://www.sagarwatch.in/2024/11/gour-utsav_0186603565.html

https://www.sagarwatch.in/2024/11/youth-festival.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_81.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_72.html

https://khabarkaasar.com/2024/11/university-the-third-day-of-the-youth-festival-was-filled-with-creative-expressions/

https://www.sagarwatch.in/2024/11/youth-festival_28.html

https://www.teenbattinews.com/2024/11/28-2024.html?m=0

https://epaper.bhaskarhindi.com/c/76322776

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_54.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_56.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_33.html

https://www.sagarwatch.in/2024/11/youth-festival_29.html

https://khabarkaasar.com/2024/11/gaur-utsav-participants-gave-artistic-expression-in-folk-instruments-folk-dance-comedy-and-silent-acting/

https://www.teenbattinews.com/2024/11/blog-post_71.html?m=0

https://www.sagarwatch.in/2024/11/youth-festival_30.html

http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_92.html